LOK SABHA

Tuesday, March 3, 1981/Phalguna 12, 1902 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Deep Coal Mining Programme

+

*207. SHRI CHINTAMANI JENA:
SHRI RAJNATH SONKAR SHASTRI:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) what are the details regarding the plan, if any, in regard to the deep coal mining programmes of the Government;

(b) whether Government have considered their plan for quality control and setting up of coal handling plants at pit-heads to improve quality of coal made available to power plants; and

(c) if so, the details regarding the plan of Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) The Coal Industry proposes to increase production of coal from underground mines from about 79 MT in 1980-81 to about 96 MT in 1984-85.

(b) Yes, Sir.

(c) During the VIth Plan period 11 coal washeries and 66 coal handling plants are to be taken up for construction.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, 31 जनवरी, 1981 के इण्डियन एक्सप्रेस के एडिटोरियल नोट में एडिटर ने चिन्ता व्यक्त की थी कि मुल्क में कोयले की भारी कमी होती जा रही है, सप्लाई डिमाण्ड से कम है, खानों में कोयला नहीं है, बड़े उद्योगों, ट्रेनों और घरेलू कार्यों में कठिनाई उत्पन्न होती जा रही है और आगे चल कर विशेष कठिनाई होने वाली है । इस लिये उत्पादन बढ़ाना बहुत जरूरी है तथा खानों को डीप तक ले जाना होगा, गहराई तक खोदना होगा । इस के लिये बिजली संयंत्रों की आवश्यकता है । मैंने इसी आधार पर अपना प्रश्न दिया था लेकिन मुझे बड़ा दुःख है कि माननीय मंत्री जी ने शायद मेरे क्वेश्चन को पढ़ा ही नहीं है, उन्होंने उस क्वेश्चन को देखने तक की कोशश नहीं की तथा जिस ढंग से जवाब दिया है, मैं कुछ ज्यादा कहना पसन्द नहीं करता । मेरा प्रश्न था कि सरकार की कोयले को गहराई तक खुदाई कार्यक्रम के बारे में यदि कोई योजना है तो उस का क्या ब्यौरा है, लेकिन उत्तर क्या दिया जा रहा है—कोयला उद्योग का विचार भूमिगत खानों से कोयले का उत्पादन 1980-81 के लगभग 79 मिलियन टन से बढ़ा कर 1984-85 में लगभग 96 मिलियन टन करने का है । मैंने यह नहीं पूछा है कि कोयले का उत्पादन कितना करना है,

मैं तो यह पूछना चाहता हूं कि गहरी खुदाई कार्यक्रम के बारे में आप की आगामी कोई योजना है ? मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि मेरा प्रश्न कुछ है और उत्तर कुछ दिया जा रहा है। इस लिये मैं माननीय मंत्री जी से सीधा सवाल करना चाहता हूं—इस की खुदाई के बारे में, डीप-माइनिंग तक ले जाने के बारे में आप की क्या योजना है ?

श्री विक्रम महाजन : 1980–85 में डीप माइनिंग का जो हमारा कार्यक्रम है, वह यह है कि इस वक्त जो 332 डीप माइन्स हैं, उन को 400 के करीब तक ले जायेंगे । इस वक्त 70 फीसदी कोयला इन से मिलता है । 278 कोल माइन्स हैं, कोल इन्डिया में जो डीप हैं। अन्डरग्राउन्ड माइन्स 72 से ज्यादा करनी हैं कोल इन्डिया में और 1 एस० सी० सी० एल० में करनी है । इस तरह से 73 हो जाऐंगी और इस ढंग से जैसा मैंने जवाब में कहा है हमारा उत्पादन 79 मिलियन टन से बढ़ कर लगभग 96 मिलियन टन हो जाएगा ।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : मैं संयंत्रों के बारे में पूछ रहा हूं कि योजना क्या है ?

श्री विक्रम महाजन : योजना क्या है, इस का जवाब मैंने दे दिया है और प्रोडक्शन कितना है, उस का भी जवाब मैंने दे दिया है । इस के अलावा और क्या आप चाहते हैं ?

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : मैं यह चाहता हूं कि उस के लिए जो सयंत्र होते हैं और उन को जो आप बढ़ाने जा रहे हैं, वे विदेशों से मंगाने चाहते हैं या नहीं चाहते हैं । उन यंत्रों की टेक्नोलाजी क्या है ? अच्छे से अच्छे यंत्र लिये जायें, इस की कोई योजना आप के पास है और विदेशों से कोई ऐसे यंत्र लेने की आवश्यकता आप समझ रहे हैं जिस से कोल की डीप माइनिंग कर के उस की कमी को पूरा कर सकें । आई वान्ट टू नो एबाउट यंत्र ?

श्री विक्रम महाजन : जहां तक नये यंत्रों का ताल्लुक हैं, दुनिया में जितने भी लेटेस्ट यंत्र हैं, वे सब हम दुनिया से ले रहे हैं और जहां तक मुल्क में एडवान्स्ड टैक्नोलाजी का सवाल है, उस के लिए हम दूसरे विदेशी मुल्कों से कोलाबोरेशन्स कर रहे हैं, जिस से हिन्दुस्तान में जो डीप अन्डरग्राउन्ड माइन्स हैं, वे आवश्यक लेटेस्ट टैक्नोलाजी ले कर डेवलप हो जाएं ।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : बड़ी अच्छी बात है कि आप सारी दुनिया से यंत्र ले रहे हैं ।

श्री राम विलास पासवान : 'सारे देश' होगा, सारी दुनिया नहीं ।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : सारी दुनिया से यंत्र ले रहे हैं, इसके लिए आप को धन्यवाद ।

श्री मलिक एम० एम० ए० खां : देश कोई दुनिया के बाहर हैं।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : सारे वर्ल्ड से ले रहे हैं, सारी दुनिया से ले रहे हैं । ...(व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : इस से तो सारा टाइम ही चला जाएगा । आप सवाल कीजिए ।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : ठीक है, वैसे ही मेरा एक दूसरा प्रश्न और था । उस में मैंने यह पूछा था : क्या सरकार ने बिजली संयंत्रों को उपलब्ध कराये

जाने वाले कोयले की किस्म में सुधार करने के लिए किस्म नियंत्रण सम्बन्धी कोई कार्यवाही की है । तो उस का हम को यह उत्तर दिया जा रहा है : "छठी योजना की अवधि में 11 कोयला वाशरियों और 66 कोयला रख-रखाव संयंत्रों का निर्माण किया जाएगा ।" मान्यवर, मैं तो यह पूछना चाहता हूं कि कोयले की किस्म में कोई सुधार, उस की वेरायटीज में कोई सुधार किया जा रहा है और उस का उत्तर यह मिल रहा है कि यह निर्माण किया जाएगा । कृपया आप हम को इस की किस्म के बारे में बताएं ?

अध्यक्ष महोदय : आप का मतलब क्वालिटी कण्ट्रोल से है । इसके बारे में बताइए ।

श्री विक्रम महाजन : जहां तक क्वालिटी कण्ट्रोल का ताल्लुक है, ये जो कोल हैंण्डलिंग प्लाण्ट्स और कोल वाशरियां हैं, इन से कोयले की क्वालिटी इम्प्रूव होती है । इनके इस्तेमाल से कोयले में एश कण्टेण्ट कम हो जाता है और इस ढंग से कोयला इम्प्रूव होता है, जिससे इंडस्ट्रीज, पावर प्लाण्ट्स और स्टील प्लाण्ट्स को अच्छी क्वालिटी का कोयला दिया जाता है । इसी ढंग से जो कोयले का साइज है, उस को छांटा कर रहे हैं । वह भी इन्हीं मशीनों से होता है । दूसरा जो एक्सट्रेनियस मेटीरियल होता है, एश कण्टेन्ट होता है, वह सब इन्हीं प्लाण्ट्स से साफ होता है । ये हैं बेसिक चीजें हैं और क्वालिटी इम्प्रूव करने की कोशिश हम कर रहे हैं । इस के अलावा दो-चार बातें और हैं जिन से क्वालिटी इम्प्रूव करते हैं जैसे इन्सपेक्शन है कोल की क्वालिटी देखने के लिए, ज्वाइण्ट सैम्पलिंग है और मिनिस्टर साहब ने प्रोड्यूसर-कनज्यूमर की मीटिंग के लिए एक नया सिस्टम शुरू किया है । हर जोन के जो कन्ज्यूमर हैं, उन के साथ हमारी कोल कम्पनीज डाइरेक्टर बातचीत करेंगे और जो उन की कम्पलेंट्स हैं, उन को भी देखा जाएगा ।

SHRI KAMAL NATH: The hon. Minister has given some very encouraging figures. Do these figures relate only to deep mines? Or do they also belong to open cast mines?

SHRI VIKRAM MAHAJAN: These figures relate to deep mines only. At present, there are 343 mines under Coal India and 57 under SCCL. Of them the open cast mines are 65 and 3. For 1980—85, the proposed number of additional open cast mines is 85 under CIL and 4 under SCCL.

"बिजली की चोरी—20 हजार फैक्टिरियां लाइसेंस के बिना" शीर्षक समाचार

*211. **श्री रीत लाल प्रसाद वर्मा** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान 'नवभारत टाइम्स' दिल्ली के 19 दिसम्बर, 1980 के संस्करण में "बिजली की चोरी, 20 हजार फैक्टरियां लाइसेंस के बिना" शीर्षक के अन्तर्गत छपे समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो बिजली की चोरी के कितने मामले दिल्ली प्रशासन के ध्यान में आए हैं ; और

(ग) सरकार द्वारा दोषियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The Government is aware of this news item. Normally, industrial